ग़मगीन माहौल में नीरज उधवानी का दाह संस्कार

मुख्यमंत्री भजनलाल ने शोकाकुल माँ के आँसू पोंछकर ढांढस बंधाया

- मुख्यमंत्री ने दिवंगत के परिजनों से मिल कर भरोसा दिलाया कि केन्द्र और राज्य सरकार इस अपार दुःख की घड़ी में उनके साथ खड़ी है।

जयपुर, 24 अप्रेल। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में जान गंवाने वाले जयपुर के नीरज उधवानी के पार्थिव शरीर का गुरुवार को यहां अंतिम संस्कार कर दिया गया।

शहर के झालाना स्थित मोक्षधाम पर संपन्न हुई अंत्येष्टि में मृतक नीरज के बड़े भाई किशोर उधवानी ने मुखाग्नि दी।

दुबई में कार्यरत जयपुर के मॉडल टाउन क्षेत्र के रहने वाले नीरज उधवानी अपनी पत्नी आयुषी के साथ छुट्टियां मनाने भारत आए थे। कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल की दोपहर आतंकवादियों ने उनकी हत्या कर दी थी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नीरज उधवानी की पार्थिव देह पर पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और शोक संतप्त परिजनों से बात कर उन्हें ढांढस बंधाया।

मुख्यमंत्री ने गुरुवार प्रातः स्व. नीरज उधवानी के मॉडल टाउन स्थित अपार्टमेंट पर उनकी पार्थिव देह के अंतिम दर्शन किए। शर्मा ने स्व. उधवानी की शोकाकुल मां के आंसू पोंछे और उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने दिवंगत के परिजनों से मिलकर उनको भरोसा दिलाया कि केन्द्र एवं राज्य सरकार अपार दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिजनों के साथ खड़ी हैं। मुख्यमंत्री ने परिवारजनों को इस गहरे दुख को सहने के लिए शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वाले नीरज उधवानी की पार्थिव देह पर पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उन्होंने स्व. उधवानी की शोकाकुल मां के आंसू पोंछे और उन्हें ढांढस बंधाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कायरतापूर्ण आतंकी हमले से पूरा देश स्तब्ध और उद्वेलित है। इस दुखद घटना में जान गंवाने वालों के खून के एक-एक कतरे का हिसाब लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने इस घटना के बाद कई कठोर निर्णय लिए हैं और आगे भी कई कड़े एवं सख्त निर्णय लिए जाएंगे।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने गुरुवार को पहलगाम आतंकी हमले में जान गवाने वाले स्व. नीरज उधवानी के आवास पर पहुँचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी व उनके परिजनों को ढांढस बंधाया। देवनानी ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले को अमानवीय कृत्य बताया। देवनानी ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना की। उन्होंने दिवंगत की आत्मशांति और शोक संतप्त परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की।

अटारी सीमा पर रिट्रीट सैरमनी में दिखा तनाव

अमृतसर, 24 अप्रैल। भारत-पाकिस्तान के बीच जारी तनाव का असर अब सीमाओं पर दिखने लगा है। गुरुवार को अटारी-वाघा बॉर्डर पर होने वाली पारंपरिक रिट्रीट सेरेमनी में इस बार कुछ अलग नजारा देखने को मिला। सामान्य रूप से हर दिन दोनों देशों के गेट खोले जाते हैं और सीमाओं पर प्रतीकात्मक मित्रता दिखती है, लेकिन इस बार न तो गेट खोले गए और न ही बीएसएफ जवानों ने पाकिस्तानी रेंजर्स से परंपरागत हैंडशेक किया।

- सामान्य रुप से हर दिन दोनों देशों के गेट खोले जाते हैं और प्रतीकात्मक मित्रता दिखाई जाती पर गुरुवार को ना गेट खुले और ना ही भारतीय जवानों ने हाथ मिलाने की रस्म ही अदा की।

रोज़ाना लगभग 20,000 लोगों की मौजूदगी वाली यह सेरेमनी इस बार सन्नाटे की झलक लिए थी। महज़ 10,000 दर्शक पहुंचे, जिनमें से अधिकांश ने हाथ में तिरंगा थामे देशभक्ति के नारे लगाए। हाल ही में, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने लोगों के मन में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है, जिसका असर यहाँ भी साफ दिखा। भारत सरकार ने सीमावर्ती क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ाते हुए, अटारी बॉर्डर पर नागरिक आवाजाही को सीमित कर दिया है। पाकिस्तान से भारत आए नागरिकों को 48 घंटे के भीतर देश छोड़ने का निर्देश दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने गोधरा ट्रेन बर्निंग केस में अंतिम सुनवाई की तारीख तय की

- 6 व 7 मई को सुप्रीम कोर्ट इस मुकदमे में सभी आरोपियों की अपील की सुनवाई करेगी
- सुप्रीम कोर्ट ने सभी अपीलकर्ताओं के वकीलों को निर्देश दिया कि सिलसिलेवार तरीके से तैयार कर के इन तारीखों को पेश करे।
- 6 व 7 मई को कोर्ट पूरे दिन इस मुकदमे को ही सुनेगा तथा कोई और मामला नहीं सुनेगा।

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 अप्रेल। सर्वोच्च न्यायालय ने 24 अप्रैल को दिये गये आदेशों में कहा कि 2002 के गोधरा ट्रेन बर्निंग केस में विचाराधीन 2018 अपीलों की निर्णायक सुनवाई 6 तथा 7 मई को होगी।

न्यायमूर्ति जे.के. महेश्वरी तथा राजेश बिन्दल की बैंच ने वरिष्ठ एडवोकेट संजय हेगड़े, जो दोषी सिद्ध हुये (कनविक्ट) व्यक्ति की ओर से उपस्थित हुये थे, से कहा कि वे अपने सभी दस्तावेजों का पुनरीक्षित (रीवाइज़्ड) संकलन 3 मई तक प्रस्तुत कर दें। बैंच ने कहा कि इन दस्तावेजों में दोषी के खिलाफ लगाये गये आरोपों का विवरण "हैडिंग-वाइज" होना चाहिये, इसके साथ ही, नीचे की अदालतों के निर्णय एवं निष्कर्ष तथा दोषी द्वारा दी गई वे दलीलें, तथा उनकी पुष्टि करने वाली "ऑन रिकॉर्ड" सामग्री भी होनी चाहिये, जो आरोपों की काट के लिये दी गई थीं।

सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष अनेक दोषियों के अलावा, गुजरात सरकार की अपीलें विचाराधीन हैं।

2002 की इस घटना के कारण गुजरात के विभिन्न हिस्सों में दंगे शुरु हो गये थे, जिनसे नरेन्द्र मोदी के राजनैतिक उत्थान में मदद मिली, क्योंकि वे उस समय गुजरात के मुख्यमंत्री थे। उसी के परिणामस्वरुप, मोदी जबरदस्त बहुमत के साथ प्रधानमंत्री पद तक पहुँचे तथा वे अपने लगातार तीसरे कार्यकाल के लिये इस पद पर आसीन हैं।

गुजरात के गोधरा रेलवे स्टेशन पर खड़ी साबरमती एक्सप्रेस के कोच नं. एस-6 में लगी आग में 59 लोग मर गये थे। इस प्रकरण की निर्णायक सुनवाई 6 तथा 7 मई को करने के आदेश देते हुये, बैंच ने गुजरात सरकार तथा दोषियों की ओर से प्रस्तुत वकीलों से कहा कि वे इस प्रकरण से सम्बंधित पत्रावलियों को संकलित कर प्रस्तुत करें तथा यह संकलन ऊपर बताये गये तरीके से ही तैयार किया जाये। ज्ञातव्य है कि गुजरात सरकार ने उच्च न्यायालय के उस फैसले के विरुद्ध अपील की है, जिसमें 11 दोषियों के मृत्युदंड को आजीवन कारावास में बदल दिया था।

बैंच ने कहा, "इस प्रकरण की सुनवाई के लिये कम से कम दो सप्ताह का समय चाहिये। पहले, हम इसकी सुनवाई 6 तथा 7 मई को पूरे दिन करेंगे तथा इन तिथियों में अन्य कोई केस नहीं लिया जायेगा, सिवाय उस स्थिति के, जब अदालत स्वयं किसी केस के लिये विशेष रुप से कहे।

सर्वोच्च न्यायालय ने रजिस्ट्रार से कहा कि अगर वे आवश्यक समझें तो इस आशय का आदेश मुख्य न्यायाधीश से ले लें। मार्च 2011 में, ट्रायल कोर्ट में 31 लोग दोषी सिद्ध हुये थे, जिनमें से 20 को आजन्म कारावास तथा 11 दोषियों को मृत्युदंड दिया गया था। ट्रायल कोर्ट ने 63 लोग रिहा कर दिये थे।

हाई कोर्ट ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के निर्वहन को लेकर पेश परिवाद पर मजिस्ट्रेट ने न तो विशेषज्ञ की राय ली और न लोक सेवक का पक्ष ही सुना। ऐसे में उसके खिलाफ कानूनी प्रावधानों की अवहेलना कर एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिए गया है। ऐसे में उसके खिलाफ दर्ज एफआईआर के आदेश को रद्द किया जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने एफआईआर में याचिकाकर्ता के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने पर रोक लगाते हुए, राज्य सरकार से तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने को कहा है।

'सरकार जो भी कदम उठाएगी विपक्षी दल उसके साथ खड़े होंगे'

सर्वदलीय बैठक में विपक्षी दलों ने पहलगाम हमले के मसले पर सरकार को भरोसा दिलाया

- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में गृहमंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण व अन्य वरिष्ठ मंत्रियों ने हिस्सा लिया।

नयी दिल्ली, 24 अप्रैल। केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को लेकर देश के विभिन्न राजनीतिक दलों की राय जानने के लिए गुरुवार को सर्वदलीय बैठक बुलायी, जिसमें प्रमुख दलों के वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया और आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के साथ ही विभिन्न दलों के कई प्रमुख नेताओं ने हिस्सा लिया।

बैठक के बाद खड़गे ने कहा कि बैठक में सभी दलों के नेताओं ने हिस्सा लिया और सभी ने एक स्वर में इस घटना की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि सभी दलों ने सरकार से जम्मू-कश्मीर में शांति बहाली के लिए सभी जरूरी कदम उठाने का आग्रह किया है। बैठक की अध्यक्षता कर रहे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सभी दलों के नेताओं को विश्वास दिलाया कि सरकार कश्मीर में शांति बहाली के लिए सभी जरूरी उपाय करेगी।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि सभी दलों के नेताओं ने सरकार को विश्वास दिलाया है कि वह जो भी कदम उठाएगी, विपक्षी दल उनके साथ खड़े होंगे।

विपक्षी दलों ने बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शामिल न होने पर सवाल उठाए और पूछा कि बैठक को सदन के नेताओं तक ही सीमित नहीं रखना चाहिए। सरकार को पार्टी अध्यक्षों को भी बैठक के बारे में जानकारी देने के लिए बुलाना चाहिए था।

केंद्र सरकार ने गुरुवार को माना कि पहलगाम हमले में सुरक्षा में चूक हुई है। सर्वदलीय बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि आईबी और गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने मीटिंग में विपक्षी नेताओं को सुरक्षा में हुई चूक के बारे में जानकारी दी।

कोटा में नीट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रोटोकॉल के अनुसार, एमबीएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। शव के नजदीक ही एक मोबाइल पड़ा था जिस पर परिजनों का फोन भी आया था। परिजनों ने ही इस लड़के की शिनाख्त की है। परिजनों के कोटा आने के बाद ही आगे की प्रक्रिया और पोस्टमार्टम सहित अन्य कार्रवाई होगी। कुन्हाड़ी थानाधिकारी पुष्पेन्द्र भारद्वाज ने बताया कि छात्र के पास से कोई सुसाईड नोट नहीं मिला है। प्रथम दृष्यता जहर के सेवन से मौत लग रही है। स्पष्ट कारण पोस्टमार्टम से ही सामने आ पाएगा। परिजनों के अनुसार, कोटा में रहकर ऑनलाईन ही कोर्स उसने लिया हुआ था। वह बीते दिनों बेटे को लेने भी आए थे लेकिन उसने जाने से इनकार कर दिया था। जब वे लेने आए थे, तब यह कहीं भाग गया था। बुधवार रात को उनकी बातचीत फोन पर हुई थी, जिसमें वह आगे पढ़ाई नहीं करने, किसी तरह का कोई एग्ज़ाम नहीं देने और घर भी नहीं आने की बात कर रहा था।

अमित शाह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कश्मीर यात्रा तथा वहां की स्थिति के बारे में जानकारी दी है। उल्लेखनीय है कि इस आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गये तथा कई अन्य घायल हुए हैं।

पंजाब सीमा पर भारतीय जवान को पाक सेना ने गिरफ्तार किया

- पाकिस्तान मीडिया में जवान की दो तस्वीरें जारी की गईं, एक तस्वीर में उसकी आँख पर पट्टी बंधी है दूसरे में वह एके-47 रायफल और पानी की बोतल के साथ खड़ा है।
- बताया जाता है कि सीमा सुरक्षा बल का जवान गलती से अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पार कर गया था।

अमृतसर, 24 अप्रैल। बॉर्डर सिक्यूरिटी फोर्स (बी.एस.एफ.) के एक जवान को पंजाब के फिरोजपुर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान रेंजर्स के जवानों ने हिरासत में ले लिया है और उसके हाथ से एके-47 भी छीन ली। बताया जा रहा है कि यह बीएसएफ जवान गलती से अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर गया था।

हिरासत में लेने के बाद रेंजर्स जवान को अपने साथ ले गए। इसके बाद पाकिस्तानी मीडिया में जवान की 2 फोटो जारी की गईं। एक फोटो में आंख पर पट्टी बांधी गई है तो दूसरी में बीएसएफ जवान एके-47 और पानी की बोतल के साथ खड़ा है।

बीएसएफ जवान पीके सिंह मूल रूप से कोलकाता के जिला हुगली का रहने वाला है। अभी तक उसे छोड़ा नहीं गया है। बीएसएफ के अधिकारी लगातार पाक रेंजर्स के संपर्क में हैं।

बीएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जवान की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए फ्लैग मीटिंग बुलाई गई, लेकिन मीटिंग बेनतीजा रही।

दरअसल श्रीनगर से बीएसएफ की बटालियन-24 ममदोट में आई है। बुधवार की सुबह किसान अपनी कंबाइन मशीन लेकर खेत में गेहूं काटने गए थे। यह खेत फैन्सिंग पर लगे गेट नंबर-208/1 के पास था। किसानों की निगरानी के लिए दो बीएसएफ जवान भी उनके साथ थे। उसी समय एक जवान गलती से बॉर्डर पार कर गया। तभी पाकिस्तानी रेंजर्स बीएसएफ की चेक पोस्ट जल्लोके पर आ गए। उन्होंने बीएसएफ जवान को पकड़ लिया और उसका हथियार भी ले लिया।

कुछ दिन पहले ही ट्रांसफर होकर आए जवान को ज़ीरो लाइन का पता नहीं था। गर्मी ज्यादा होने के कारण जवान एक पेड़ के नीचे बैठ गया। इस दौरान पाक रेंजर्स ने उसे घेर लिया, उसकी राइफल छीन ली और इसके बाद उसे बंदी बना लिया।

बीएसएफ ने पाक रेंजर्स से बात की लेकिन उन्होंने जवान को नहीं छोड़ा। जैसे ही यह खबर मिली, बीएसएफ के बड़े अफसर बॉर्डर पर पहुंचे। जवान को छुड़ाने के लिए पाकिस्तानी रेंजर्स और बीएसएफ अफसरों के बीच रात तक मीटिंग चलती रही। अभी तक वह छोड़ा नहीं गया है। बीएसएफ के अधिकारी लगातार पाक रेंजर्स के संपर्क में हैं।

मृत पर्यटकों के ..

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मीटिंग में कड़े फैसले किए है, जो पाकिस्तान को घुटनों पर ला देंगे और कश्मीर में आतंकवाद भी खत्म कर देंगे। मेरा यकीन मानिए भारत ने जो कूटनीतिक कदम उठाए है वो पाकिस्तान के लिए नुकसान देह होंगे। भविष्य में और भी कड़े कदम उठाए जाएंगे। भरोसा रखिए इस आतंकी कृत्य का बदला लिया जाएगा।"

गहलोत ने माना कि सुरक्षा में चूक हो सकती है। उन्होंने कहा, देश गुस्से में है और मोदी सरकार इस घटना का बदला लेगी और पाकिस्तान व आतंकियों को सबक सिखाएगी ताकि वे भविष्य में ऐसा करने की हिम्मत भी न करें।

उन्होंने मृतकों के शवों व उनके परिजनों को वापस लाने के लिए कर्नाटक सरकार के प्रयासों की सराहना की और कश्मीर में फंसे कर्नाटक के यात्रियों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए भी कर्नाटक सरकार की प्रशंसा की।

'द टैररिस्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस आतंकी संगठन का नाम "द रैज़िस्टैंस फ्रन्ट" (टीआरएफ) अपने आप में हैरान करने वाला है। अब तक घाटी में जितने भी आतंकी की ग्रुप सक्रिय रहे हैं, सभी के साथ इस्लाम से सम्बंधित नाम जुड़े हुये थे तथा उनके कमान्डर सार्वजनिक रुप से सामने आते रहते थे, स्वयं को उजागर करने के लिये सोशल मीडिया पर बात करते थे, कभी सेब के बगीचों में घूमते नजर आते थे तो कभी क्रिकेट खेलते तथा बाइक चलाते दिखाई दे जाते थे। कहा जाता था कि इस प्रकार के सोशल मीडिया सम्पर्क के कारण, उनके संगठनों में आतंकियों की भर्ती बढ़ती थी।

भारत सरकार का मानना है कि टीआरएफ पाकिस्तान स्थित लश्करे-तोयबा के एक मोर्चे जैसा है, तथा इस संगठन की रणनीतियाँ भिन्न हैं। पुराने अलगाववादी ग्रुपों के विपरीत सुर्खियों से दूर रहते हुये, टीआरएफ "कश्मीरी राष्ट्रवाद" को आगे बढ़ाने के काम में लग गया है। सोशल मीडिया साइट "टेलीग्राम" पर एक मैसेज पोस्ट करते हुये, टीआरएफ ने "बाहरी लोगों को" कश्मीर में रहने की अनुमति दिये जाने का विरोध किया है। टीआरएफ ने कहा, "इसके परिणामस्वरुप, उन लोगों पर हिंसक हमला किया जाएगा, जो गैर कानूनी रुप से बसने की कोशिश कर रहे हैं।"

बताया जाता है कि टीआरएफ विभिन्न विघटित आतंकी संगठनों के सदस्यों से बना है। टीआरएफ राज्य में लोगों की "टारगैटेड" हत्याओं की जिम्मेदारी लेता रहा है। सरकारी रिकॉर्ड बताते हैं कि वर्ष 2022 में, कश्मीर में गोलीबारी में मारे गये ज्यादातर सशस्त्र आतंकवादी टीआरएफ से सम्बद्ध थे। यह ग्रुप उस वर्ष उस समय सुर्खियों में रहा था, जब इसने ऐसे पाँच कश्मीरी पत्रकारों के नाम "ट्रेटर हिट लिस्ट" (धोखेबाजों की हिट लिस्ट) में शामिल किये थे, जिनकी, कथित रुप से, भारत सरकार से साँठ-गाँठ थी। जनवरी 2023 में, केन्द्र सरकार ने टीआरएफ को "आतंकी संगठन" घोषित कर दिया था तथा कहा था कि यह संगठन विद्रोहियों की भर्ती करता है तथा पाकिस्तानी हथियार तस्करी के जरिये कश्मीर में लाता है।

जून 2024 में, टीआरएफ ने एक बस पर हमला करने की जिम्मेदारी ली थी, जो तीर्थयात्रियों को लेकर जा रही थी। जम्मू में हुये इस हमले में, 9 लोग मारे गये थे तथा 33 लोग घायल हुये थे। हमले के दौरान, बस एक तँग दर्रे में फँस गई थी।

जापान, इज़रायल व जॉर्डन के नेताओं ने प्र.मंत्री मोदी को फोन किया

- विदेश मंत्रालय ने इस सम्बंध में एक्स पर जानकारी दी और बताया कि सभी नेताओं ने पहलगाम अटैक की निंदा की और प्र.मंत्री को पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया।

नई दिल्ली, 24 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात की। यह बातचीत पहलगाम आतंकी हमले के बाद हुई।

इज़राइल ने भारत में हुए इस आतंकी हमले की कड़ी निंदा की और भारत के साथ एकजुटता जताई।

भारत में इज़रायल के राजदूत ने इस हमले की तीखी निंदा की। उन्होंने भारत को आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में तकनीक, तरीके और खुफिया जानकारी के जरिए सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला द्वितीय ने भी प्रधानमंत्री मोदी से बात की और हमले की कड़ी निंदा करते हुए संवेदना जताई। उन्होंने जोर देकर कहा कि आतंकवाद के लिए कोई भी तर्क या वजह सही नहीं हो सकती।

इस बातचीत की जानकारी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को एक्स पर साझा की।

जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने पहलगामआतंकी हमले पर भारत के प्रधानमंत्री मोदी से फोन पर बात की और इस खौफनाक हमले में हुई मौतों पर गहरा शोक जताया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर इसकी जनाकारी दी।

जापान के प्रधानमंत्री इशिबा ने कहा कि आतंकवाद का कोई भी औचित्य नहीं हो सकता। दोनों नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि आतंकवाद मानवता के लिए एक गंभीर खतरा है। लोकतंत्र में विश्वास रखने वालों को आतंक के खिलाफ एकजुट होना चाहिए।

900 करोड़...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जोशी को विशेष न्यायाधीश के आवास पर पेश किया। इस दौरान, ईडी ने जोशी से पूछताछ के लिए 7 दिन का पुलिस रिमांड मांगा, जिसका विरोध करते हुए जोशी के वकील दीपक चौहान ने कहा कि महेश जोशी ईडी की ओर से जारी समन की पालना में पेश हुए हैं और जांच में भी पूर्ण सहयोग कर रहे हैं।

इस दौरान, जोशी के अधिवक्ता ने जोशी को पुलिस अभिरक्षा में दिए जाने पर उन्हें घर का बना भोजन और दवाइयां देने की छूट देने की बात कही, जिसे अदालत ने स्वीकार करते हुए, जोशी को 4 दिन के रिमांड पर ईडी को सौंप दिया।

वायु सेना का युद्धाभ्यास शुरु

- पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर इस युद्धाभ्यास का नाम आक्रमण रखा गया है।

नई दिल्ली, 24 अप्रैल। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ जारी तनाव के बीच, भारतीय वायुसेना ने बड़ा युद्धाभ्यास शुरू कर दिया है। वायुसेना ने इस अभ्यास का नाम आक्रमण रखा गया है।

वायुसेना के इस युद्धाभ्यास में मुख्य लड़ाकू विमानों की टुकड़ियां हिस्सा ले रही हैं। इनमें सबसे आगे राफेल लड़ाकू विमान हैं। भारतीय वायुसेना के पास राफेल विमानों की दो स्क्वाड्रन हैं, जो अंबाला (हरियाणा) और हाशिमारा (पश्चिम बंगाल) में तैनात हैं।

इस युद्धाभ्यास में पायलट पहाड़ी और जमीनी दोनों ही लक्ष्यों पर हमला करने के मिशन को अंजाम दे रहे हैं। युद्ध अभ्यास के लिए पूर्वी क्षेत्र से भी कई लड़ाकू और ट्रांसपोर्ट विमान पहुंचाए गए हैं।

इस युद्धाभ्यास के तहत, भारतीय वायुसेना के पायलट लंबी दूरी की उड़ानें भर रहे हैं। पायलटों को वास्तविक युद्ध जैसा अनुभव देने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। इस अभ्यास की शीर्ष स्तर पर भी निगरानी की जा रही है।

यह युद्धाभ्यास ऐसे समय हो रहा है, जब भारत और पाकिस्तान के बीच पहलगाम आतंकी हमले के बाद तनाव बढ़ा है। यह युद्धाभ्यास एयर हेडक्वार्टर्स की कड़ी निगरानी में हो रहा है। इसमें वायुसेना के शीर्ष पायलट भाग ले रहे हैं, जिन्हें अनुभवी प्रशिक्षकों की निगरानी में अभ्यास कराया जा रहा है।

बता दें कि फरवरी 2019 में पुलवामा हमले के बाद पाकिस्तान में की गई एयर स्ट्राइक में भी भारतीय वायुसेना की अहम भूमिका रही थी।

तब वायुसेना ने मिराज-2000 विमानों का उपयोग किया था, लेकिन उसके बाद से वायुसेना में कई फोर्स मल्टीप्लायर शामिल किए गए हैं।

युद्ध के नगाड़ों की आवाज़ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अब पहले की तरह सार्वभौमिक पवित्रता नहीं रही, और भविष्य में सुविधा व मौके के अनुसार उसकी परिभाषा बदलती रहेगी। दोनों देशों ने अपनी सेनाओं को अपनी-अपनी सीमाओं के अंदर वापस बुला लिया है। स्थिति पूर्ण गतिरोध की ओर बढ़ रही है।

पाकिस्तान ऐसी प्रतिक्रिया दे रहा है, मानो वह सीधे युद्ध की ओर बढ़ रहा है। उसने इस्लामाबाद में भारत के डिफैंस अटैचीज़ (रक्षा अधिकारियों) को अवांछित घोषित कर दिया है।

किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के अभाव में, भारत और पाकिस्तान एक बार फिर टकराव की स्थिति में हैं, जो दोनों के लिए नुकसानदेह है। दरअसल, पहलगाम हमले के बाद किसी भी देश ने पाकिस्तान के पक्ष में समर्थन नहीं जताया है।

अमेरिका ने भी पाकिस्तान के साथ कोई एकजुटता नहीं दिखाई है। अमेरिका इस्लामी आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई को लेकर प्रतिबद्ध है। चूंकि अमेरिका स्वयं ऐसे हमलों का शिकार रहा है, इसलिए वह अब दक्षिण एशिया में अपने पुराने सहयोगी की रक्षा के मूड में नहीं है। भारत के लिए युद्ध इस समय सबसे कम जरुरी विकल्प है, खासकर ऐसे समय में, जब ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ के कारण भारत की अर्थव्यवस्था एक नई स्थिति से सामंजस्य बिठाने की कोशिश कर रही है। युद्ध का बोझ भारत की आर्थिक प्रगति को बाधित कर सकता है। शांति के समय में ही अर्थव्यवस्था फल-फूल सकती है और भारत का आर्थिक उत्थान उसके पड़ोस में शांतिपूर्ण वातावरण पर निर्भर है। पाकिस्तान भारत के तेज आर्थिक विकास के उस रास्ते में बाधा डालना चाहता है।

वहीं, पाकिस्तान के लिए युद्ध एक विनाशकारी विकल्प हो सकता है। पहले से ही सिकुड़ती हुई अर्थव्यवस्था के कारण पाकिस्तान एक गंभीर संकट का सामना कर रहा है। वह भारी बाहरी कर्ज और भुगतान असंतुलन के जाल में फंसा हुआ है। इस समय पाकिस्तान आई.एम.एफ. के साथ बेलआउट पैकेज की बातचीत कर रहा है ताकि अपने भुगतान दायित्व पूरे कर सके।

अमेरिका की यात्रा बीच में छोड़कर राहुल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसकी जाँच कर रही है। जैसे ही जिम्मेदारी तय होगी, उपयुक्त कार्रवाई की जाएगी।

राहुल गांधी द्वारा अमेरिका की यात्रा बीच में छोड़कर दिल्ली आने के बाद कांग्रेस ने सी.डल्यू.सी. की बैठक बुलाई।

सी.डब्ल्यु.सी. प्रस्ताव में खुफिया और सुरक्षा विफलता को चिन्हित किया, व्यापक विश्लेषण की मांग की गई। प्रस्ताव में कहा कि हिंदुओं को जानबूझकर निशाना बनाकर देशभर में भावनाएं भड़काने की कोशिश की गई। इसके साथ ही भाजपा पर समाज में फूट डालने के लिए त्रासदी की राजनीतिक लाभ उठाने का आरोप लगाया गया और आगामी अमरनाथ यात्रा के लिए पारदर्शी और मजबूत सुरक्षा की मांग की गई। सी.डब्ल्यु.सी. ने स्थानीय टट्टू वालों और टूरिस्ट गाइड की प्रशंसा की तथा जिनमें से एक पर्यटक को बचाने के प्रयास में शहीद हो गया।

सुरक्षा तंत्र व खुफिया तंत्र की विफलता का उल्लेख करते हुए प्रस्ताव कहता है कि पहलगाम भारी सुरक्षा व्यवस्था वाला क्षेत्र है। यहाँ त्रिस्तरीय सुरक्षा इंतज़ामात हैं। इसलिए जरुरी है कि गुप्तचर विफलता व सुरक्षा चूक की संपूर्ण जाँच करवाई जाए जिसकी वजह से इस केन्द्र शासित प्रदेश में यह आतंकी हमला हुआ।"

प्रस्ताव कहता है कि वृहद जनहित में यह मुद्दा उठाया जाना चाहिए, क्योंकि यही एक तरीका है, जिसे पीड़ित परिवारों को न्याय मिल जाएगा।

सी.डब्ल्यु.सी. ने यह भी कहा कि अमरनाथ यात्रा जल्द ही शुरु होने वाली है। देशभर से लाखों श्रद्धालु इस वार्षिक यात्रा में भाग लेते हैं। उनकी सुरक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता दी जानी चाहिए। प्रस्ताव कहता है कि बिना देरी किए पुख्ता एवं पारदर्शी सुरक्षा प्रबंध किए जाएं, तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के साथ पर्यटन पर निर्भर जम्मू-कश्मीर की स्थानीय जनता की आजीविका की रक्षा पूर्ण गंभीरता से की जानी चाहिए।

बाद में कांग्रेस के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, संचार महासचिव जयराम रमेश, पवन खेड़ा, नसीर हुसैन और गुलाम अहमद मीर ने एक प्रेस वार्ता में कहा कि कांग्रेस देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। मोदी सरकार की सुरक्षा विफलता पर कांग्रेस द्वारा हमला करने को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में के.सी. वेणुगोपाल ने कहा, "क्या आपका नहीं लगता कि सुरक्षा में चूक हुई है? यह सवाल आम जनता पूछ रही है। मैं कल मृतकों को श्रद्धांजलि देने वहाँ गया था, और मृतकों के परिजन बार-बार यही सवाल कर रहे थे। एक जिम्मेदार विपक्षी दल होने के नाते हमारा यह कर्तव्य है कि हम सरकार से ये सवाल पूछें।"

के.सी. वेणुगोपाल ने बताया कि 25 अप्रैल को कांग्रेस पार्टी पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने और आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता व्यक्त करने के लिए पूरे देश में राज्य व जिला स्तर पर कैंडल मार्च निकालेगी।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908